वर्ष: 14 - अंक : 169, मुंबई, शनिवार, 31 अगस्त, 2024 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादक: दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®

अब हर सच होगा उजागर

गोरेगांव में पुणे जैसा हादसा

एसयूवी चला रहे नाबालिग ने युवक को रौंदा, मौत

एक अधिकारी ने बताया कि यह दुर्घटना आरे कॉलोनी में गुरुवार तड़के चार बजे के करीब हुई। गलत दिशा से आ रही महिंद्रा स्कॉर्पियो ने बाइक सवार नवीन मुकेश वैष्णव (24) को टक्कर मार दी। जिससे नवीन की मौके पर ही मौत हो गई।

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। मुंबई के गोरेगांव इलाके में हिट एंड रन की घटना में 24 वर्षीय युवक की मौत हो गई है। पुलिस ने बताया कि तेज रफ्तार एसयूवी ने दूध बेंचने जा रहे युवक की बाइक को टक्कर मार दी और फरार हो गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि हादसे के समय एसयूवी एक नाबालिग लड़का चला रहा था। मुंबई पुलिस के मुताबिक, गोरेगांव के आरे कॉलोनी इलाके में एक तेज रफ्तार एसयूवी ने 24 साल के बाइक सवार को टक्कर मार दी और मौके से फरार हो गया। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

शिवाजी महाराज मेरे आराध्य देव हैं...

चरणों में सिर झुकाकर माफी मांगता हूं: पीएम मोदी

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा गिरने के मामले पर सियासत तेज हो गई। शिवाजी महाराज की इस प्रतिमा का अनावरण महज 8 महीने पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था। इस वजह से न केवल महाराष्ट्र सरकार बल्कि केंद्र सरकार भी विपक्ष की आलोचनाओं से घिर गई। शिव भक्तों के रोष को देखते हुए महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उप-मुख्यमंत्री अजित पवार ने इस घटना को लेकर जनता से माफी मांगी। इस बीच आज पीएम मोदी ने भी मराठा योद्धा की प्रतिमा ढहने की घटना पर माफी मांग ली है। इस दौरान उन्होंने विपक्ष खासकर कांग्रेस को वीर सावरकर के अपमान करने के लिए आड़े हाथों लिया। पालघर में शुक्रवार को 76000 करोड़ के वधावन पोर्ट परियोजना का शिलान्यास करने के बाद पीएम मोदी ने शिवाजी महाराज की प्रतिमा गिरने की घटना पर माफी मांगी। पीएम मोदी ने कहा कि शिवाजी महाराज मेरे आराध्य देव हैं, मैं उनके चरणों में सिर झुकाकर माफी मांगता हूं। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

एनेस्थीसिया का इंजेक्शन बना काल

महिला कांस्टेबल के मौत ने छोड़े कई सवाल, एफआईआर

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। मुंबई के एक निजी अस्पताल में एक महिला कांस्टेबल की एनेस्थीसिया देने के वजह से मौत हो गई। इसके बाद अस्पताल प्रशासन में हड़कंप मच गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच की जा रही। महिला कांस्टेबल कान की सर्जरी के लिए अस्तपाल गई थी इस दौरान एनेस्थीसिया की वजह से हुई दिक्कतों के कारण मौत हो गई। मुंबई पुलिस की एक महिला कांस्टेबल की एक निजी अस्पताल में कान की सर्जरी लिए एनेस्थीसिया दिए जाने के बाद उत्पन्न दिक्कतों के चलते मौत हो गई। यह जानकारी शुक्रवार को एक अधिकारी ने साझा की। महिला कांस्टेबल की मौत के बाद कई सवाल उठ रहे हैं। पुलिस ने घटना के बाद मामला दर्ज कर लिया है। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

कांग्रेस में विधानसभा चुनाव लड़ने लगी होड़

राज्य की 288 सीटों पर 1500 उम्मीदवार इच्छुक

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। लोकसभा चुनाव 2024 के बाद महाराष्ट्र में कांग्रेस के अच्छे दिन लौट आए हैं। 2014 लोकसभा चुनाव में 2 और 2019 में सिर्फ एक सीट जीतने के कारण विधानसभा चुनाव में कांग्रेस में कई सीटों पर इच्छुकों का अकाल पड़ गया था। लेकिन 2024 लोकसभा चुनाव में कांग्रेस सूबे की सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी, जिसका असर अब आगामी विधानसभा चुनाव में देखने को मिल रहा है। पार्टी में इस बार इच्छुकों की संख्या तीन गुना बढ़ गई है। 2024 विधानसभा चुनाव में मुंबई की 36 विधानसभा सीटों के लिए 226 तो वहीं महाराष्ट्र की 288 सीटों के लिए लगभग 1500 लोग इच्छुक हैं। अर्थात कांग्रेस में चुनाव लड़ने के लिए उम्मीदवारों के बीच होड़ शुरू हो गई है। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

कांग्रेस ने मुंबई की 17 सीटों पर किया दावा

कांग्रेस की ओर से ज्यादा से ज्यादा सीटों की मांग की जा सकती है। मुंबई की सीटों को लेकर हाल ही में महा विकास आघाड़ी के नेताओं की बैठक हुई थी। खबर है कि इस बैठक में कांग्रेस ने 17 से ज्यादा सीटों का दावा किया है। तो वहीं शरद पवार गुट भी छह से सात सीटें मांग रहा है। महाराष्ट्र कांग्रेस के महासचिव व प्रवक्ता सचिन सावंत ने कहा कि ये तो स्पष्ट नजर आ रहा है कि कांग्रेस राज्य में मजबूत हुई है। हम सत्ता में आ रहे हैं और महायुति का जाना तय है। इससे पार्टी और कार्यकर्ता उत्साहित हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

न रणनीति और न संघ!

लाख टके का सवाल है कि चार विधानसभा चुनावों में भाजपा किस रणनीति से चुनाव लड़ रही है? अपना मानना है भाजपा बिना रणनीति के चुनाव लड़ रही है और लड़ेगी। जबकि सन् 2014 से 2024 तक नरेंद्र मोदी ने हर चुनाव अपनी रणनीति में लड़ा। क्या था उस रणनीति में? सर्वप्रथम मोदी का चेहरा। दूसरे नंबर पर हिंदू बनाम मुसलमान के फर्जी नैरेटिव में हिंदुओं में गौरव का, अहंकार का भभका बनाना। तीसरे, भाजपा व संघ की पुरानी साख के उम्मीदवारों का मैदान में होना। चौथा, जातिगत हिसाब में फॉरवर्ड और ओबीसी राजनीति का संतुलन बना उसे दूहना। पांचवां कारण मीडिया और नैरेटिव पर शत प्रतिशत कब्जा था। छठा कारण संसाधनों व खर्च के मामले में भाजपा की वर्चस्वता का है। और आखिरी कारण संघ तथा उसके संगठनों का चुनाव जीतने के लिए करो या मरो के अंदाज में अपने आपको झोंकना था। उस रणनीति के तमाम तत्व अब हवा हवाई और बेमतलब हैं। सोचें, मौजूदा चुनावों के चारों राज्यों की हकीकत पर। नरेंद्र मोदी अब शहरी मध्यवर्ग परिवारों में भी बासी, उबाऊ तथा उस घिसे पीटे रिकॉर्ड की तरह हैं, जिसकी आवाज घिस कर फट गई है। इसे समझने के लिए याद करें अटल बिहारी वाजपेयी के चेहरे को। उन्हें लोगों ने दशकों सुना। और हर बार उन्हें देखते, सुनते मजा आता था, फिर भले श्रोता भक्त हो, पार्टी वफादार हो या विरोधी। ठीक विपरीत मोदी का चेहरा, उनके भाषण अब जहां विरोधियों के लिए नफरत का बिंदु है वही भक्तों के लिए बोरियत भरा है तो पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए चिढ़ व निराशाजनक है। और तटस्थ लोगों के लिए निरर्थक है। सभी जान गए हैं कि सिर्फ बातें हैं और अनुभव व जमीनी सच्चाई में कही कुछ नहीं है। क्या मैं गलत हूं? नरेंद्र मोदी और अमित शाह अपने अहंकार में कभी नहीं मानेंगे लेकिन सच्चाई है कि इन्होंने अपनी राजनीति की भ्रष्टताओं में चाल, चेहरे, चरित्र को ऐसा विकृत और खौफनाक बनाया है कि सबसे ज्यादा भाजपा और संघ में ही अब दोनों को ले कर मन ही मन कुढ़न हैं, गुस्सा है। जेपी नड्डा ने लोकसभा चुनाव में जब कहा कि भाजपा को अब संघ की जरुरत नहीं है तो उनका वह बयान हकीकत में था। कोई माने या न माने लेकिन नरेंद्र मोदी, अमित शाह और संघ की ओर से काम कर रहे बीएल संतोष तीनों अपनी अपनी सर्वे टीमों से उम्मीदवारों की छंटनी करते हैं। मतलब भाजपा संगठन के जिला, प्रदेश, राष्ट्रीय पदाधिकारियों से बात, उनकी फीडबैक, संघ और उसके संगठनों के प्रस्तावित नामों से मोदी, शाह चुनाव के उम्मीदवार तय नही करते हैं, बल्कि सर्वे की लिस्ट में मिलान या अपनी निज पसंद से जीतने की कसौटी के हवाले उम्मीदवार खड़े करते हैं। फिर भले वह दूसरी पार्टी से आया हो या चाल, चेहरे, चरित्र में अनफिट हो वह बिना जनाधार के हो।

दरभंगा जिला मोहर्रम कमेटी के अवसर पर विभिन्न प्रकार के आयोजन किया गया

मुंबई हलचल/सालिम आजाद

मधुबनी। जिसमें फजर-नेमाज बाद से 8:00 बजे सुबह तक कुरान खानी एंव कुल का इंतजाम किया गया! वहीं 9:00 से लेकर 1:00 तक रक्तदान शिविर लगाकर 37 रक्त वीरों ने रक्तदान किया, दूसरी ओर 3:00 से लेकर रात्रि 8:00 बजे तक शांति समिति सदस्य एवं समाज में अच्छे कामों के लिए जाने जाने वाले व्यक्तियों को जिला मोहर्रम कमेटी द्वारा सम्मानअवार्ड से प्रोत्साहित किया गया, इसी बीच में किलाघाट आने वाले अखाड़ों का कभी स्वागत किया जाता रहा, यह सारी जानकारी जिला मोहर्रम कमेटी के अध्यक्ष डॉ० मुन्ना खान ने अपने प्रेस वार्ता में दिया, वहीं डॉ० मुन्ना खान बताते हैं कि 9:00 बजे से 1:00 बजे तक रक्तदान शिविर में इंसान और इंसानियत को बचाने के लिए एक मिसाल कायम किया है जहां ना कोई जाति न कोई धर्म देखने को मिला रक्तदान वीरों में कई हिंदु भाई एवं महिलाओं के साथ-साथ जिला मोहर्रम कमेटी के अध्यक्ष डॉ०मुन्ना खान ऑफिस इंचार्ज सैयद आफताब आलम ने पहले अपना रक्तदान कर रक्तदान शिविर का शुभारंभ डीएमसीएच ब्लड बैंक प्रभारी डॉ० संजीव के देखरेख में किया गया, जिसमें खास तौर पर इन रक्तवीरों ने रक्तदान किया डॉ० देबोजित सेन, डॉ० अमर कुमार,श्री कुणाल पांडे,हुसैन खान सोनू, आसिफ हसनैन,मो० दिलशाद,नौशाद अहमद,ई० इरशाद अहमद, खुशाहाल खान,मिस्टर

खान,मो० आजाद,आमिर हसनैन, मो०फिरोज खान,मो० लाडले,मो० कालू,डॉ० शब्बीर,शाहवाज अनवर, जुबेरिया वसीम,सबरीन खानम,मो० अब्दुल्लाह,जिला मोहर्रम कमेटी के सचिव तनवीर आलम के पुत्र मो० तंजील मुख्य रूप से अपना रक्तदान किया जिला मोहर्रम कमेटी के अध्यक्ष डॉ मुन्ना खान सह पार्षद ने आगे बताया के जिला मोहर्रम कमेटी में रक्तदान शिविर पहली बार लगाया गया जहां 37 रक्तवीरों ने जाति धर्म से ऊपर उठकर इंसानियत को जिंदा रखने के लिए अपना रक्तदान किया! मैं इन रक्तवीरों का का दिल से धन्यवाद व्यक्त करता हूं और जो लोग रक्तदान करने आए थे और समय नहीं रहने की करण से उनको वापस जाना पड़ा उनसे क्षमा चाहता हूं अगली शिविर में उन लोगों को पहले रक्तदान करने का मौका दिया जाएगा, इन रक्त वीरों को सिटी हॉस्पिटल के डायरेक्टर मुख्य अतिथि डॉ० इंतेखाब आलम, अल-हेलाल हॉस्पिटल के डायरेक्टर मुख्य अतिथि डॉ० अहमद नसीम आरजू, एवं ब्लड बैंक प्रभारी डॉ० संजीव द्वारा सर्टिफिकेट एवं कप देकर सम्मानित किया गया। जिला मोहर्रम कमेटी किलाघाट तक आने वाले अखाड़ों में लालबाग अखाड़ा,राहमगंज अखाड़ा, बेलवागंज अखाड़ा, मुख्य रूप से घोड़ो पर सवार होकर आऐ जिनका अध्यक्ष सह पार्षद डा०मुन्ना खान, सचिव तनवीर आलम, कोषाध्यक्ष पप्पू खान, ऑफिस इंचार्ज सैयद आफताब आलम, किलाघाट अखाड़ा के सरदार खालीकुज्जमा पप्पू ने ठंडे पानी और माला पहनाकर स्वागत किया, वहीं जिला मोहर्रम कमेटी द्वारा सम्मान अवार्ड पाने वालों में जिला शांति समिति सदस्य नवीन सिन्हा,अजय जलान,नारद यादव,रीता सिंह,अशोक नायक,शर्फेआलम तमन्ना, सैयद शिबगतुल्लाह डब्बू, अत्ताउल्लाह खान पुटटू, जहांगीर कुरैशी,अब्दुल कलाम आरजू,पप्पू सरदार, नेसार आलम पार्षद, सैयद आफताब आलम, जिला मोहर्रम कमेटी के इलेक्शन रिटर्निंग ऑफिसर. एडवोकेड अंबारी इमाम हाशमी को जिला मोहर्रम कमेटी द्वारा सम्मानित किया गया वहीं जिला मोहर्रम कमेटी के सचिव तनवीर आलम ने बताया कि जो लोग अपने किसी निजी व्यवस्था के कारण नहीं आपाऐं है उनका सम्मान ऐवार्ड उन तक पहुंचा दिया जाएगा! आगे उन्होंने कहा कि पहली बार चुनाव के माध्यम से चुनकर आने वाले जिला मोहर्रम कमेटी के अध्यक्ष डा० मुन्ना खान एवं सारे कमेटी के सदस्य आगे भी इसी तरह का कार्यक्रम समाज को उत्साहित एवं प्रोत्साहित करने के लिए करते रहेंगे! वहीं एडवोकेड अंबर इमाम हाशमी ने दरभंगा जिला मोहर्रम कमेटी के अध्यक्ष एवं सचिव को पाग-चादर पहनाते हुए मोमेंटो समर्पित किया और कहा की जिला मोहर्रम कमेटी बधाई के पात्र है कि शांतिपूर्ण तरीके से मोहर्रम से लेकर 40वां तक जो सद्भाव एवं समाज के हर वर्ग को जोड़कर इस पूरे कार्यक्रम को संपन्न कराया इस कर के लिए बधाई के पात्र हैं, प्रशासन एवं शांति समिति का भी सहयोग मिला इसके लिए वह लोग भी बधाई के पात्र हैं।

मधुबनी नगर निगम शिवगंगा बालिका+2 विधालय की शिक्षिका डाक्टर मीनाक्षी कुमारी को इस वर्ष का शिक्षक पुरस्कार प्रदान किया जाएगा

मुंबई हलचल/सालिम आजाद

मधुबनी। यह जानकर अत्यंत गर्व हो रहा है कि मधुबनी नगर निगम के शिवगंगा बालिका +2 विद्यालय की शिक्षिका, डॉ. मीनाक्षी कुमारी, को इस वर्ष का राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार प्राप्त होने जा रहा है। यह पुरस्कार उन्हें 5 सितंबर 2024 को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा प्रदान किया जाएगा। डॉ. मीनाक्षी कुमारी ने शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान दिया है और अपने विद्यार्थियों को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है श्री समीर कुमार महासेठ विधायक सह पुर्व मंत्री मधुबनी बिहार ने कहा कि उनकी यह सफलता मधुबनी के लिए गर्व की बात है और यह हमारे क्षेत्र के शिक्षकों के लिए प्रेरणास्त्रोत बनेगी। इस विशेष अवसर पर मैं उन्हें हार्दिक बधाई देता हूँ और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ।

फिदा-हुसैन नहीं, न्याय-देवता की जरूरत

दस साल से देश की छाती पर नरेंद्र भाई मोदी की नफरती-कार्यावली की मूंग हर रोज पूरे जोरशोर से दल रहे मीडिया-अनुचरों में से कुछ के सुर 2024 के लोकसभा चुनाव नतीजे आने के बाद से बदलने क्या शुरू हुए, मैं देख रहा हूं कि, बहुत-से जनोन्मुखी पुरोधा बड़ी अभिभूत-मुद्रा में थिरक रहे हैं। इन भावुक-मूर्खों को केंचुल-रूपांतर का उत्सव मनाते देख मैं तो भौचक हूं। पूरे एक दशक अकांडतांडव में रत रहने वाले टीवी-सूत्रधारों और अखबारी-कलमकारों के परिस्थितिजन्य ताल-बदलू उपक्रम को उन का सच्चा हृदय परिवर्तन समझने वाले नासमझों को कोई समझाए कि सांसारिक लीलाएं इतनी बेलोच नहीं हुआ करती हैं कि आप उन पर ऐसे सरपट रपटने लगें। जन्मजात अंधखोपड़ियों ने पूरे दस बरस कथन और लेखन के अक्षरविश्व में जैसा नग्न-धमाल मचाया, उसे ऐसे ही विस्मृत कर देना नादानी होगी। यह समय गोस्वामियों, चौधरियों, सिन्हाओं, कश्यपों, देवगनों, चोपड़ाओं, सिन्हाओं, नरसिंहमनों, श्रीवास्तवों, अरूरों, रजतों, नविकाओं, वगैरह-वगैरह की करतूतों को भूलने का नहीं है। यह समय पुरियों, चंद्राओं, गुप्ताओं, पांडाओं, कोठारियों, ए-1, ए-2, वगैरह-वगैरह के अपकर्मों को क्षमादान की गंगधारा में तिरोहित करने का नहीं है। यह समय तो इन सभी के कुकर्मों को इतिहास की पाशाण शिला पर स्थायी तौर से उकेरने का है। आज जो अपनी भावप्रवणता पर काबू नहीं रखेंगे, वे गच्चा खाने के बाद कल अपनी मूढ़ता पर आंसू बहा रहे होंगे।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व), मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल, साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन: **9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।
www.mumbaihalchal.com mumbaihalchal@gmail.com https://www.facebook.com/mumbaihalchal.halchal https://twitter.com/MumbaiHalchal

महाराष्ट्र सरकार में टकराव

शिवसेना के मंत्री के बयान से अजित पवार गुट खफा, क्या टूट जाएगी महायुति?

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन में तनाव बढ़ता जा रहा है। एकनाथ शिंदे नीत शिवसेना के नेता तानाजी सावंत के एनसीपी (अजित पवार) को लेकर दिए गए बयान से राजनीतिक गलियारों में बड़ी हलचल मच गई है। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री सावंत ने एनसीपी के मंत्रियों को लेकर अजीबोगरीब बात कही है। इससे अजित दादा खेमे में काफी नाराजगी देखी जा रही है। शिवसेना के मंत्री तानाजी सावंत ने कहा है कि वह कैबिनेट की बैठकों में एनसीपी नेताओं के बगल में बैठते हैं लेकिन बाहर आने के बाद उन्हें उल्टी आने जैसा महसूस होता है। सावंत के इस बयान पर अजित दादा की पार्टी ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री सावंत ने गुरुवार को एक कार्यक्रम में कहा कि वह एक कट्टर शिवसैनिक हैं और एनसीपी के नेताओं के साथ उनकी कभी नहीं बनी। सावंत ने कहा कि उन्हें कांग्रेस और एनसीपी से एलर्जी है। शिवसेना (एकनाथ शिंदे) नेता ने कहा, भले ही कैबिनेट बैठकों में हम एक-दूसरे के बगल में बैठते हों, लेकिन बाहर आने के बाद मुझे उल्टी सी आने लगती है। इस टिप्पणी पर एनसीपी प्रवक्ता और विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) अमोल मिटकरी ने कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने सावंत की आलोचना करते हुए सवाल किया कि गठबंधन को बरकरार रखने की जिम्मेदारी क्या केवल उनकी पार्टी की है। उन्होंने कहा कि शिवसेना नेता ने पहले भी ऐसी टिप्पणियां की हैं, जिनसे एनसीपी को ठेस पहुंची है। हम सिर्फ गठबंधन धर्म की वजह चुप हैं। अमोल मिटकरी ने कहा, अब बहुत हो गया... महायुति में सहयोगी दलों द्वारा जो हमारा अपमान किया जा रहा है वह बर्दाश्त के बाहर है। एनसीपी नेता ने यह भी कहा कि सावंत को उल्टी आने की जो समस्या है उसका इलाज केवल मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ही कर सकते हैं। बता दें कि महाराष्ट्र की 288 विधानसभा सीट पर अक्टूबर या नवंबर में चुनाव कराए जाने की संभावना है। महायुति में एनसीपी के अलावा एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और बीजेपी शामिल हैं। तीनों दलों ने आगामी विधानसभा चुनाव साथ लड़ने की घोषणा की है। सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन के तीनों घटक दल आगामी विधानसभा चुनाव के लिए जल्द ही सीट बंटवारे पर बातचीत करने वाले है।

काशी के मुख्य पुजारी राजेश पाठक का कलवा में सम्मान

मुंबई हलचल/संवाददाता

कलवा। उत्तर प्रदेश के बाबा विश्वनाथ काशी से मुख्य पुजारी पंडित राजेश पाठक मुंबई प्रवास पर आए हुए थे। इसी दौरान कलवा में सदिच्छा भेंट दी। भारतीय मीडिया फाउंडेशन टीम ने पुजारी राजेश पाठक को भगवान परशुराम का प्रतिमा व शाल देकर स्वागत किया। इस मौके पर भारतीय मीडिया फाउंडेशन के राष्ट्रीय महासचिव अशोक चौबे, थाने जिला उपाध्यक्ष वीरेंद्र यादव, गोस्वामी समाज सेवा संस्था के अध्यक्ष आशाराम गिरी, कलवा ब्लॉक अध्यक्ष गोविंद पटेल, आशीष चौबे, दिलीप मद्धेसिया आदि लोग मौजूद थे। मीडिया फाउंडेशन के महासचिव अशोक चौबे से बातचीत के दौरान पुजारी पाठक ने कहा सनातन धर्म समुद्र है। इसी में सभी धर्म समाहित है। यह पूरे ब्रह्मांड को परिवार मानता है। किस धर्म के प्रति द्वेष भाव नहीं रखता। सनातन सभी के साथ समान भाव रखने का आचरण सिखाता है। सनातन धर्म अमृत है। जो सभी मानसिक शारीरिक बीमारियों को खत्म कर देता है। कुछ लोग जाति धर्म के नाम पर भेद भाव फैला रहें हैं। पुजारी राजेश पाठक ने सभी नागरिकों से अपील करते है की सनातन धर्म पहले से है जिसकी व्याख्या गीता में की गई है।

गाड़ी टच हुई तो कैब ड्राइवर पर बरसाए थप्पड़

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। मुंबई के घाटकोपर इलाके से एक दहला देने वाला वीडियो सामने आया है जिसमें एक कैब ड्राइवर की एक शख्स ने बर्बरता से पिटाई कर दी। कैब ड्राइवर की गलती सिर्फ इतनी थी कि उसकी गाड़ी आगे चल रही लग्जरी गाड़ी से टच हो गई थी। उसने तुरंत गाड़ी पीछे भी ले ली थी लेकिन तब तक लग्जरी कार में से उतर कर शख्स ने ड्राइवर पर पहले तो थप्पड़ बरसाए और फिर उसे उठाकर जमीन पर पटक दिया। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक यह पूरा मामला घाटकोपर की एक सोसायटी का है। शुक्रवार सुबह करीब 4 बजे सोसायटी में रहने वाला ऋषभ नाम का शख्स सोसायटी के अंदर आ रहा था। ऋषभ बीएमडब्ल्यू चला रहा था। उसके पीछे से एक ओला कैब ड्राइवर भी आ रहा था। जब लेन में गाड़ी खड़ी हुई तो कैब ड्राइवर की गाड़ी ऋषभ की गाड़ी से पीछे से टकरा गई। इसके बाद ऋषभ और उसकी पत्नी बाहर निकली। ऋषभ नाम के शख्स ने न आव देखा न ताव और कैब ड्राइवर पर थप्पड़ बरसाना शुरू कर दिया। ऋषभ ने कैब ड्राइवर पर थप्पड़ बरसाए और उसे उठाकर पटक दिया। उसे पटकने के बाद ऋषभ नाम का शख्स सिक्योरिटी गाड्र्स से बात करके अपनी गाड़ी में बैठकर वहां से चला गया। ड्राइवर को सिर में गंभीर चोट आई है। वह काफी देर तक वहीं पड़ा तड़पता रहा लेकिन कोई उसकी मदद के लिए आगे नहीं आया।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

एनेस्थीसिया का इंजेक्शन बना काल

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार कांस्टेबल गौरी सुभाष पाटिल (28) को अंधेरी के पश्चिमी उपनगर लोखंडवाला के एक्सिस अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उन्होंने बताया कि पाटिल को कान की सर्जरी से पहले एनेस्थीसिया दिया गया जिसके बाद उन्हें दिक्कत उत्पन्न हो गईं और गुरूवार रात उनकी मृत्यु हो गई। अधिकारी ने बताया कि मौत की सूचना पुलिस को रात करीब 10:45 बजे मिली। अधिकारी ने बताया कि मौत का कारण पता लगाने के लिए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। अधिकारी ने बताया कि अंबोली पुलिस थाने में दुर्घटनावश मौत का एक मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच की जा रही है। पाटिल अंधेरी के मरोल में मुंबई पुलिस के स्थानीय शस्त्र प्रभाग में तैनात थीं।

गोरेगांव में पुणे जैसा हादसा

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को अस्पताल ले गई। लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। एसयूवी जब्त कर ली गई है, दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। एक अधिकारी ने बताया कि यह दुर्घटना आरे कॉलोनी में गुरुवार तड़के चार बजे के करीब हुई। गलत दिशा से आ रही महिंद्रा स्कॉर्पियो ने बाइक सवार नवीन मुकेश वैष्णव (24) को टक्कर मार दी। जिससे नवीन की मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना के समय एसयूवी 17 साल का लड़का चला रहा था। इसलिए पुलिस ने एसयूवी के मालिक इकबाल जिवानी (48) और उसके बेटे मोहम्मद फज इकबाल जिवानी (21) के खिलाफ भी केस दर्ज किया है। बाइक को टक्कर मारने के बाद एसयूवी एक बिजली के खंभे से टकरा गई, जिसके बाद आरोपी ने भागने की कोशिश की। उसे भी चोटें आई हैं। उसका ब्लड सैंपल जांच के लिए भेजा गया हैं ताकि यह पता लगाया जा सके कि वह शराब के नशे में तो नहीं था। मृतक आरे कॉलोनी का निवासी था। बता दें कि पुणे के कल्याणी नगर इलाके में 19 मई को पोर्शे कार से हुए हादसे में सॉफ्टवेयर इंजीनियरो अनीस अहुदिया (24) और अश्विनी कोस्टा (24) की मौत हुई थी। दोनों मध्य प्रदेश के मूल निवासी थे और काम के सिलसिले में पुणे में रह रहे थे। हादसे के समय रिएल एस्टेट कारोबारी विशाल अग्रवाल का 17 साल 8 महीने का बेटा नशे की हालत में लक्जरी कार चला रहा था। अभी वह जमानत पर है।

शिवाजी महाराज मेरे आराध्य देव हैं...

पीएम मोदी ने कहा, छत्रपति शिवाजी महाराज मेरे लिए सिर्फ नाम नहीं हैं, हमारे लिए छत्रपति शिवाजी महाराज आराध्य देव हैं। पिछले दिनों सिंधुदुर्ग में जो हुआ, आज मैं सिर झुकाकर मेरे आराध्य देव छत्रपति शिवाजी महाराज जी के चरणों में मस्तक रखकर माफी मांगता हूं। कांग्रेस पर बरसते हुए प्रधानमंत्री ने आगे कहा, हमारे संस्कार अलग हैं, हम वो लोग नहीं हैं जो आए दिन भारत मां के महान सपूत, इसी धरती के लाल वीर सावरकर को अनाप-शनाप गालियां देते रहते हैं, अपमानित करते रहते हैं, देशभक्तों की भावनाओं को कुचलते हैं। वे लोग वीर सावरकर को गालियां देने के बाद भी माफी मांगने को तैयार नहीं हैं। उनको पाश्चाताप नहीं होता है महाराष्ट्र की जनता उनके संस्कार को अब जान गई है।

कांग्रेस में विधानसभा चुनाव लड़ने लगी होड़

इसमें सबसे ज्यादा इच्छुक विदर्भ में पाए गए हैं। महाराष्ट्र में संभवतः आगामी नवंबर महीने में विधानसभा के चुनाव हो सकते हैं। हालांकि अभी तक न ही चुनाव आयोग की ओर से चुनावी कार्यक्रम की घोषणा हुई है और न ही सियासी दलों के बीच सीटों का बंटवारा लेकिन राज्य की सभी सियासी पार्टियां में अपने स्तर पर अनुकूल सीट और योग्य उम्मीदवारों की तलाश में शुरू हो गई है। इस तलाश के दौरान कांग्रेस कार्यकताओं में जबरदस्त जोर देखने को मिल रहा है। 2019 के विधानसभा चुनाव में सूबे में इच्छुकों की संख्या 476 थी जबकि 2024 में अकेले विदर्भ की 62 सीटों के लिए 470 लोगों ने आवेदन दिया है। इसी तरह उत्तरी महाराष्ट्र को 47 सीटों के लिए 138, जबकि मराठवाड़ा की 46 सीटों के लिए 285 आवेदन प्राप्त हुए हैं। राज्य के विधानसभा चुनावों को लेकर अब तक कराए गए विभिन्न सर्वे में लोकसभा चुनाव की तरह विधान सभा में भी बीजेपी और महायुति को झटका लगने की आशंका व्यक्त की गई है। तो वहीं कांग्रेस के अपने इंटरनल सर्वे में महाराष्ट्र में लगभग 90 ऐसी सीटों को चिन्हित किया गया है, जहां पार्टी के उम्मीदवारों के जीत तय मानी जा रही है। इस वजह से कांग्रेस का आत्मविश्वास बढ़ा है। मुंबई में शिवसेना (उद्धव गुट) खुद को बड़ा भाई मानता है। लोकसभा चुनाव में मुंबई में मिली सफलता सफलता के आधार पर उद्धव गुट ने मुंबई की 20 से 22 सीटों पर दावा ठोंका है। लेकिन सूत्रों का ऐसा दावा है कि कांग्रेस के इंटरनल में आगामी विधानसभा चुनाव में उद्धव गुट को अपेक्षित सफलता नहीं मिलने का खुलासा हुआ है। सर्वे में शिवसेना (उद्धव गुट) को महज 30 सीटों पर ही जीत मिलने की संभावना व्यक्त की गई है। तो वहीं सर्वे में शरद पवार की राकां का स्ट्राइक रेट उद्धव की शिवसेना से बेहतर रहने की भी संभावना जताई गई है। इस वजह से महा विकास आघाड़ी में खासकर कांग्रेस और शिवसेना (उद्धव गुट) के बीच रस्साकशी बढ़ सकती है।

30 अगस्त से 2 सितंबर तक चलेगा यह 'उत्सव'

दिल्ली में सारे राज्य जानेंगे मप्र की संस्कृति, विरासत व विकास

1 मुख्यमंत्री की अनूठी पहलः पहली बार देश की राजधानी में मप्र उत्सव, एमपी भवन में किया डॉ. यादव ने शुभारंभ

मुंबई हलचल / भोपाल

देश की राजधानी दिल्ली व अन्य प्रदेशों के लोगों को मप्र की समृद्धि, सांस्कृतिक धराहरों आदि से अवगत कराने मप्र सरकार ने दिल्ली में चार दिनी अनूठा आयोजन मप्र उत्सव शुरू किया है। इसमें ऐतिहासिक, पुरातात्विक, जनजातीय विरासत, पर्यटन, कला, रहन-सहन एवं मप्र विविध व्यंजनों से आम लोगों को अवगत कराया जाएगा।

उत्सव का शुभारंभ शुक्रवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने किया। डॉ. यादव की पहल पर पहली बार इस तरह का आयोजन शुरू किया गया है। आयोजन से दिल्लीवासियों एवं अन्य राज्यों से के पर्यटकों को मप्र की समृद्धशाली विविधताओं से परिपूर्ण संस्कृति सहित अन्य पहलुओं को जानने का मौका मिलेगा।

यादव ने जनसंपर्क विभाग की प्रदर्शनी के सेल्फी पॉइंट में सेल्फी ली। उन्होंने प्रदर्शनी की सराहना करते हुए विजिटर बुक में लिखा कि मप्र उत्सव का आयोजन बहुत बेहतर तरीके से सुयोग्य भाव से प्रदर्शित किया गया है

उत्सव में आने वाले लोग विशिष्ट व्यंजनों सहित सुपर फूड में 'श्रीअन्न' से निर्मित व्यंजनों का आनंद ले सकेंगे

मप्र की विरासत को प्रदर्शनी के माध्यम से दर्शाया

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मप्र में पुरातत्व विभाग की ओर से बेहतरीन कार्य किया गया है। विभाग प्राचीन जर्जर मंदिरों और देवस्थानों को पुनर्स्थापित करने का चुनौतीपूर्ण कार्य सफलतापूर्वक कर रहा है। उन्होंने संचालनालय पुरातत्व अभिलेखाकर एवं संग्रहालय की ओर से आयोजित 'मप्र की विरासत' प्रदर्शनी की सराहना की। मप्र उत्सव में लगाई गई प्रदर्शनी में एक ओर गोंड कलाकारों की चित्रकला को सम्मान और दूसरी ओर लगभग 10 हजार वर्ष पुराने भीमबैठका के शैलचित्रों से सबको अवगत कराने का अभिनव प्रयास किया गया है।

मप्र को मिलेगी एक और वंदे भारत ट्रेन की सौगात

यादव ने शुक्रवार को केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से भेंट कर उज्जैन और दिल्ली के बीच वंदे-भारत स्लीपर ट्रेन शुरू करने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने बताया कि ओवरनाइट वंदे भारत स्लीपर ट्रेन शुरू होने से राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र से महाकाल की नगरी उज्जैन आने वाले तीर्थ-यात्रियों को महाकाल दर्शन में सुविधा होगी। इसके साथ ही उन्होंने केंद्रीय मंत्री वैष्णव से राज्य में खनिज और उर्वरक की दुलाई सुगम बनाने के लिए रेलवे सिडिंग्स की शीघ्र स्वीकृति देने का भी अनुरोध किया, जिस पर केंद्रीय मंत्री ने उचित कार्रवाई करने का आश्वासन दिया।

राजधानी परियोजना प्रशासन (सीपीए) फिर से होगा पुनर्जीवित

मप्र की राजधानी भोपाल के चहुंमुखी विकास के लिए दसकों पहले बनी राजधानी परियोजना प्रशासन (सीपीए) एक बार फिर से अस्तित्व में आने जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य तथा ऊर्जा मंत्री मनोहरलाल से सौजन्य भेंट कर उनके मंत्रालय से संबंधित विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने बताया कि सीपीए सड़कों, पार्कों और भवनों के निर्माण, विकास और रख-रखाव के अलावा नजूल भूमि की सुरक्षा और विकास के कार्य करने वाली संस्था रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केंद्रीय मंत्री से सीपीए को पुनर्जीवित करने के लिए केंद्रीय मंत्रालय से आर्थिक और तकनीकी सहायता प्रदान करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि सीपीए के पुनर्जीवित होने से यह पुनः भोपाल शहर की विकास गतिविधियों में योगदान दे सकेगी। मुख्यमंत्री को केंद्रीय मंत्री खट्टर ने इस संबंध में हर संभव सहायता देने का आश्वासन दिया।

खबर संक्षेप

सजा निलंबन : आसाराम बापू की याचिका खारिज

गांधी नगर। गुजरात हाईकोर्ट ने तथाकथित धर्मगुरु आसाराम बापू की उस याचिका को खारिज कर

दिया, जिसमें उन्होंने 2013 के बलात्कार मामले में उमरकैद की सजा को निलंबित करने की मांग की थी। अजालत ने 29 अगस्त के अपने फैसले में कहा कि हमें आवेदक और आरोपी द्वारा मांगी गई छूट को बढ़ाने के लिए कोई बेहद खास आधार नहीं मिला है।

झारखंड में पहली बार ट्रांसजेंडर को नौकरी

रांची। झारखंड में गुरुवार को एक ट्रांसजेंडर को सरकारी नौकरी देकर इतिहास रचा गया है। राज्य में

ट्रांसजेंडर के लिए यह सपना सच होने जैसा था, जब हेमंत सोरेन सरकार ने एक ट्रांसजेंडर को पहली नियुक्ति सौंपा। ट्रांसजेंडर आमिर महतो उस समय सातवें आसमान पर थीं और काफी खुश नजर आ रही थीं, जब सीएम हेमंत सोरेन ने उन्हें नियुक्ति पत्र सौंपा।

कार की सेफ्टी के लिए जारी हुई नई रेटिंग

भारत न्यू कार असेसमेंट प्रोग्राम ने कारों के लिए सुरक्षा-रेटेड क्यूआर कोड स्टिकर शुरू करने की घोषणा की है। इस पहल का मकसद गाड़ियों की सुरक्षा के बारे में जागरुकता बढ़ाना है।

हरियाणा भाजपा अध्यक्ष ने कहा लिस्ट के लिए अभी करना होगा इंतजार

मोहन लाल बड़ौली नहीं लड़ेंगे चुनाव सीएम सैनी लाडवा से होंगे उम्मीदवार

प्रधान के घर बैठक में शाह की जींद रैली की तैयारियों पर हुई चर्चा

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

हरियाणा भाजपा के अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने शुक्रवार को नई दिल्ली में कहा कि वे खुद विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे। इसके साथ उन्होंने यह भी साफ कर दिया है कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी लाडवा सीट से उम्मीदवार होंगे। सैनी फिलहाल करनाल सीट से विधायक हैं। हरियाणा भाजपा के चुनाव प्रभारी एवं केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के नई दिल्ली आवास पर शुक्रवार को केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली और प्रदेश संगठन महामंत्री फणिंद्र नाथ शर्मा की बैठक हुई। सूत्रों के अनुसार इस बैठक में प्रदेश भाजपा की चुनावी रणनीति के साथ ही रविवार एक सितंबर को जींद में प्रस्तावित केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की रैली की तैयारियों पर चर्चा हुई।

गुरुवार को हुई पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक के अगले दिन हुई इस बैठक से पहले नई दिल्ली में हरियाणा भाजपा अध्यक्ष मोहन लाल ने कहा कि पार्टी उम्मीदवारों की लिस्ट आने में अभी दो दिन का समय और लग सकता है। राई सीट से विधायक बड़ौली ने कहा कि वे खुद चुनाव नहीं लडेंग़े बल्कि सभी 90 सीटों पर पार्टी उम्मीदवारों को चुनाव लड़ाने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि हमारी जिम्मेदारी है कि प्रत्येक सीट पर पूरा विचार मंथन कर उम्मीदवार उतारे जाएं और इसलिए अभी थोड़ा समय लग रहा है। प्रधान के घर हुई बैठक को लेकर उन्होंने कहा कि बड़ी बैठकों से पहले यह हमारा होम वर्क है जिसे हम कर रहे हैं। बड़ौली ने कहा कि उम्मीदवारों की सूची में खिलाड़ियों का भी समावेश रहेगा। परफॉर्मेंस के आधार पर मंत्री या विधायक का टिकट काटने के सवाल पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि बहुत अच्छी परफॉर्मेंस वाले को भी हो सकता है मौका न मिले। सभी ने अच्छा काम किया है और हम सभी को सम्मान देने का काम करेंगे।

राई सीट से विधायक बड़ौली ने कहा वे खुद चुनाव नहीं लड़ेंगे, बल्कि सभी 90 सीटों पर चुनाव लड़ाने का काम करेंगे।

मोहनलाल लाल बड़ौली

नायब सिंह सैनी

विधायक रामनिवास सुरजाखेड़ा को लेकर संशय

बलात्कार का केस दर्ज होने के बाद विधायक राम निवास सुरजाखेड़ा की भाजपा में एंट्री खटाई में पड़ गई है। कल रविवार को जींद में होने वाली केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह की रैली में सुरजाखेड़ा को भाजपा में शामिल कराने की तैयारी थी, लेकिन अब इस मामले को पार्टी ने होल्ड पर रख दिया है। सूत्रों का कहना है कि चुनाव प्रचार के दौरान पार्टी विपक्षी दलों को कोई ऐसा मौका नहीं देना चाहती जिसे लेकर परेशानी खड़ी हो।

भाजपा का घोषणा पत्र 10 सितंबर को होगा जारी

हरियाणा भाजपा 10 सितंबर को चुनाव घोषणा पत्र जारी करेगी। सूत्रों का कहना है कि घोषणा पत्र में सबसे ज्यादा फोकस किसानों, महिलाओं, युवाओं, एससी और ओबीसी वर्ग पर होगा। पार्टी प्रदेश में अपने दस साल के विकास का हवाला देते हुए अगले पांच साल का डेवलपमेंट रोडमैप भी घोषणा पत्र में शामिल करेगी। राज्यसभा सांसद कृष्णलाल पंवार ने बताया कि पार्टी को घोषणा पत्र के लिए 26 हजार सुझाव प्राप्त हुए हैं।

योगेश्वर दत्त पहुंचे दिल्ली, गोहाना सीट से टिकट

पहलवान योगेश्वर दत्त ने शुक्रवार को दिल्ली पहुंच पार्टी हाईकमान के दरवाजे पर दस्तक दी। 2019 में बरौदा सीट से विधानसभा चुनाव हारे और फिर 2020 में भी इसी सीट से उपचुनाव में पराजित रहे योगेश्वर ने अब गोहाना सीट से चुनाव मैदान में उतरने की इच्छा जाहिर की है। हालांकि गोहाना सीट के संभावित उम्मीदवारों की लिस्ट में योगेश्वर दत्त का नाम शामिल नहीं है। बावजूद इसके वे पार्टी में अपने संपर्कों के जरिये टिकट हासिल करने की कोशिश में जुट गए हैं। दत्त को उम्मीद है कि पहलवानों के मुद्दे और विनेश फोगाट को लेकर जिस प्रकार कांग्रेस सक्रिय है उसे देखते हुए भाजपा भी खिलाड़ियों का टिकट देने का फैसला लेगी। योगेश्वर अबकी बार बरौदा सीट से चुनाव नहीं लड़ना चाहते हैं। बरौदा में कांग्रेस के प्रभाव को देखते हुए वे गोहाना सीट पर शिफ्ट होना चाहते हैं। देखना यह है कि पार्टी उनकी मांग को स्वीकार करती है या नहीं।

छग से एआईसीसी सचिव राजेश को यूपी की जिम्मेदारी, विकास उपाध्याय की छुट्टी

सचिन पायलट के साथ संपत जारिथा और विजय जांगिड करेंगे काम

- **चंदन यादव को मप्र, उल्का को झारखंड भेजा**
- **पांच दर्जन से अधिक सचिवों और संयुक्त सचिवों की हुई घोषणा**

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

एआईसीसी के नए सचिवों और संयुक्त सचिवों की नई टीम में छत्तीसगढ़ के पूर्व विधायक विकास उपाध्याय जगह बनाए रखने में नाकामयाब रहे। उनकी सचिव पद और असम के सह प्रभारी की जिम्मेदारी से छुट्टी कर दी गई है। असम के प्रभारी सचिव पृथ्वी राज साठे और जितेंद्र बघेल को बनाया गया है।

छत्तीसगढ़ से पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के सलाहकार रहे राजेश तिवारी को एआईसीसी के सचिव की जिम्मेदारी के साथ उप्र का प्रभारी भी बनाया गया है। उनके साथ धीरज गुर्जर, तौकीर आलम, प्रदीप नरवाल, निलांशु चतुर्वेदी और सत्यनारायण पटेल प्रभारी महासचिव उप्र के साथ मिलकर बतौर सचिव कार्य करेंगे। राजेश तिवारी यूपी के कई चुनावों में टीम भूपेश बघेल के साथ मिलकर काम करते रहे हैं। मगर, इस बार उन्हें औपचारिक जिम्मेदारी सीधे एआईसीसी की तरफ से सचिव के पद पर बिठा कर दी गई है। इसी तरह छत्तीसगढ़ के प्रभारी सचिव के रूप में लंबे समय से रायपुर में डटे चंदन यादव को मप्र भेज दिया गया है जब कि दूसरे सचिव सप्तगिरी उल्का को झारखंड की जिम्मेदारी दी गई है। छत्तीसगढ़ के प्रभारी सचिन पायलट के साथ काम करने के लिए एसए संपत कुमार जारिथा लैपथलंगा को बतौर सचिव अटैच किया गया है जब कि प्रभारी रहीं कुमारी सैलजा के साथ काम कर रहे विजय जांगिड को संयुक्त सचिव की हैसियत से छत्तीसगढ़ के साथ ही जोड कर रखा गया है। वे बाकी दो सचिवों के साथ प्रभारी सचिन पायलट की मदद करते रहेंगे। विनीत पुनिया के साथ रुचिरा चतुर्वेदी को मीडिया एंड कम्युनिकेशन का सचिव बनाया गया है जब कि प्रणव झा कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के सचिवालय को बतौर सचिव एसिस्ट करते रहेगे, उनके साथ अब गौरव पंधी को भी जोड़ा गया है। एआईसीसी के महासचिव संगठन केसी वेणुगोपाल के हस्ताक्षर से जारी विभिन्न राज्यों के लिए पांच दर्जन से अधिक सचिव, संयुक्त सचिवों की फेहरिस्त संबंधित राज्यों के प्रभार के साथ रीलीज किया गय है।

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर की पाकिस्तान को दो टूक

अब बातचीत का युग 'समाप्त' जैसे को तैसा वाला होगा जवाब

भारत के हितों को ध्यान में रखते हुए रखेंगे बांग्लादेश के साथ संबंध। विध्वंसक हो सकता है परिवर्तन

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

जम्मू-कश्मीर में बढ़ते आतंकी हमलों और बांग्लादेश के चिंताजनक हालातों में पाकिस्तान की भूमिका के संकेतों के बीच विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने शुक्रवार को बेहद कड़े अंदाज में कहा कि पाकिस्तान के साथ निर्बाध बातचीत का युग समाप्त हो गया है। हम निष्क्रिय नहीं, हर कार्रवाई का परिणाम होता है। फिर चाहे वो (पाक) सकारात्मक चीजें करें या नकारात्मक। हम उसे उसी की भाषा में जवाब देंगे। ये उसी के कर्म हैं। बांग्लादेश को लेकर उन्होंने कहा कि हम भारत के हितों को ध्यान में रखते हुए बांग्लादेश के साथ संबंध रखेंगे। वहां हुआ राजनीतिक परिवर्तन विध्वंसक हो सकता है। 'स्ट्रैजिक कॉनड्रमः रिशेपिंग इंडियाज फॉरेन पालिसी' नामक पुस्तक के राजधानी में हुए विमोचन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने यह जानकारी दी।

पाक से बातचीत नहीं चाहता भारत

कार्यक्रम में विदेश मंत्री ने कुछ सवालों के जवाब भी दिए। इनमें जम्मू-कश्मीर को लेकर उन्होंने कहा कि अब वहां पर अनुच्छेद-370 समाप्त हो चुका है। इसलिए वर्तमान में विषय यह है कि आज हम पाकिस्तान के साथ किस तरह के रिश्ते के बारे में सोच सकते हैं। उन्होंने कहा कि अब लोग ये भी कहते हैं कि भारत ही पाकिस्तान के साथ बात नहीं करना चाहता है। यह काफी हद तक सही भी है। पाकिस्तान चाहे सकारात्मक या नकारात्मक चीजें करे। हम उसी की भाषा में उसे जवाब देंगे।

बांग्लादेश का राजनीतिक परिवर्तन चिंताजनक

जयशंकर ने भारत और बांग्लादेश के संबंधों को लेकर कहा कि बांग्लादेश की आजादी के बाद से दोनों देशों के रिश्तों में काफी उतार-चढ़ाव आते रहे हैं। यह स्वाभाविक है कि हम मौजूदा सरकार के साथ व्यावहारिक रहेंगे। हमें यह भी पहचानना होगा कि राजनीतिक परिवर्तन हो रहे हैं और ये विध्वंसकारी हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि भारत को बांग्लादेश के साथ आपसी हितों का आधार तलाशते हुए स्पष्ट रूप से हितों की पारस्परिकता पर भी ध्यान केंद्रित करना होगा।

शासन कला की बुनियादी बातें जरूरी

अफगानिस्तान को लेकर उन्होंने कहा कि उनके साथ भारत के मजबूत संबंध हैं। इसका आधार वहां के लोग हैं। वास्तव में सामाजिक स्तर पर भारत के लिए एक निश्चित सद्भावना है। लेकिन जब हम अफगानिस्तान को देखते हैं तो मुझे लगता है कि शासन कला की बुनियादी बातों को भूलना नहीं चाहिए।

इसके अलावा हमें यह भी समझना चाहिए कि अमेरिका की मौजूदगी वाला अफगानिस्तान और उसकी गैर मौजूदगी वाला अफगानिस्तान बिलकुल अलग है। आज हमारी अफगान नीति की समीक्षा करने के बाद हम अपने हितों के बारे में बहुत स्पष्ट हैं। हम अपने सामने विरासत में मिली बुद्धिमत्ता से भ्रमित नहीं हैं।

मालदीव के प्रति उतार-चढ़ाव भरा रुख

जयशंकर ने मालदीव को लेकर कहा कि मालदीव को लेकर हमारे दृष्टिकोण में उतार-चढ़ाव रहे हैं। यहां एक निश्चित स्थिरता की कमी है। दोनों देशों का रिश्ता ऐसा है, जिसमें हम बहुत गहराई से निवेश किए हुए हैं।

मालदीव का मानना है कि यह संबंध एक स्थिर शक्ति है। हमारे पड़ोस में सार्क और बिम्सटेक को लेकर परिचर्चा जारी है। आप सभी अंतर को जानते हैं। यह क्षेत्रीयता के संबंध में कुछ चुनौतियों और संभावनाओं की विषमता को दर्शाता है।

4-5 सितंबर तक लखनऊ में होगा पहला संयुक्त कमांडर सम्मेलन

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

सशस्त्र सेनाओं का पहला संयुक्त कमांडर सम्मेलन (जेसीसी) लखनऊ में 4 से 5 सितंबर तक आयोजित किया जाएगा। इसके लिए सेना की केंद्रीय कमांड मुख्यालय का चयन किया गया है। रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि सम्मेलन में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान शिरकत करेंगे। इसकी थीम 'सशक्त और सुरक्षित भारतः ट्रांसफॉर्मिंग द आर्म्ड फोर्सेज' रखी गई है। दो दिवसीय कार्यक्रम का उद्घाटन सीडीएस जनरल चौहान चार सितंबर को करेंगे। इसमें तीनों सेनाओं के प्रमुख अधिकारियों की एक साथ मौजूदगी रहेगी। सूत्रों ने बताया कि इस सम्मेलन के दौरान तीनों सेनाओं के बीच एकीकरण को बढ़ावा देने के लिए गठित की जाने वाली 'थियेटर कमांड' का ब्लू प्रिंट जारी किया जा सकता है।

क्षेत्रीय, वैश्विक मुद्दों पर होगी चर्चा

मंत्रालय के मुताबिक, दो दिवसीय चर्चा के दौरान सम्मेलन में क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जारी जटिल हालातों के प्रभावों का विश्लेषण करने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। सशस्त्र सेनाओं में सुधार, भविष्य के युद्धों, संयुक्तता, एकीकरण, तकनीक का समावेश, रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता जैसे मुद्दों को भी सम्मेलन के दौरान होने वाली चर्चाओं में प्रमुखता से शामिल किया जाएगा। जेसीसी के मंच को भारत के शीर्ष सैन्य नेतृत्व के बीच विचारों, रणनीति और अच्छी आदतों के आदान-प्रदान के लिए गठित किया गया है। इसके जरिए एक मजबूत और सुरक्षित भविष्य के अलावा रक्षा क्षेत्र में सामरिक स्वायत्ता को लेकर बनी हुई देश की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया जाएगा।

विदेशी सांसद ने की पीएम मोदी की जमकर तारीफ

भारत उभरती शक्ति, रूस-यूक्रेन संघर्ष को हल करने में अहम भूमिका

हंगरी के प्रधानमंत्री के राजनीतिक निदेशक और संसद सदस्य बालाज ओर्बन ने कहा कि भारत एक उभरती शक्ति है और रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे संघर्ष को हल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

हंगरी प्रधानमंत्री के राजनीतिक निदेशक और संसद सदस्य बालाज ओर्बन ने कहा कि भारत एक उभरती शक्ति है और रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे संघर्ष को हल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने वैश्विक मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करने के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर के तरीके की भी सराहना की हैं।

भारत एक सभ्यता

पीएम नरेंद्र मोदी की हालिया यूक्रेन यात्रा पर बोलते हुए कहा कि इस तरह की पहल बहुत महत्वपूर्ण है। भारत-हंगरी संबंधों को रेखांकित करते हुए कहा कि ऐसे कई बिंदु हैं, जहां दोनों देश समान दृष्टिकोण साझा करते हैं। भारत एक सभ्यता है और इस आधुनिक काल में भी केवल वही देश सफल हो सकता है, जो अपनी विदेश और घरेलू नीति का निर्माण सांस्कृतिक और ऐतिहासिक मूल्यों पर कर रहे हैं।

अच्छा काम कर रहे एस. जयशंकर

बालाज ओर्बन ने कहा कि आपके विदेश मंत्री जयशकंर बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। वह विश्व मंच पर बहुत सशक्त तरीके से भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

टीएमयू स्पोर्ट्स कॉलेज की झोली उपलब्धियों से लबरेज

प्रो. श्याम सुंदर भाटिया

तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी, मुरादाबाद के स्पोर्ट्स स्टेडियम का दूर-दूर तक कोई सानी नहीं है। इसकी भव्यता बेमिसाल है। यूनिवर्सिटी की झोली में रणजी ट्राफी की मेजबानी बड़ी उपलब्धियों में एक है। 2015 में उत्तर प्रदेश बनाम मध्य प्रदेश के इस राष्ट्रीय टूर्नामेंट में श्री कुलदीप यादव, श्री पीयूष चावला, श्री प्रवीन कुमार, श्री अमित मिश्रा, श्री नमन ओझा, श्री रजत पाटीदार सरीखे खिलाड़ियों ने अपने-अपने जौहर दिखाए। इस ऐतिहासिक टूर्नामेंट से पूर्व दुनिया के नामचीन लॉर्डस पवेलियन के पैटर्न पर निर्मित टीएमयू के क्रिकेट पवेलियन का उद्घाटन तत्कालीन यूपीसीए के सेक्रेटरी, आईपीएल के चेयरमैन एवम् राज्यसभा सदस्य श्री राजीव शुक्ला के करकमलों से हुआ। यह टीएमयू के लिए गौरव की बात है, 2012 में कूच विहार ट्रॉफी और 2014 में कर्नल सीके नायडू ट्रॉफी की भी मेजबानी की है। भारतीय टीम के दो अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी- राइट आर्म फास्ट एंड फास्ट मीडियम बॉलर श्री मोहम्मद शमी और स्पिन बॉलर श्री पीयूष चावला का इस क्रिकेट मैदान से गहरा नाता है। ये मशहूर खिलाड़ी समय-समय पर यूनिवर्सिटी आकर युवा खिलाड़ियों को टिप्स देकर उनकी हौसलाफजाई करते रहे हैं। टिमिट सीपीई के स्टुडेंट्स ने विदेशों में यूनिवर्सिटी का नाम रोशन किया है। बीपीएड के छात्र विपिन गौतम 2019 में वियतनाम में ताइक्वांडो की एशियन ओपन चैंपियनशिप, इसी साल बीपीएड की छात्रा सविता गुरूंग जूडो में किर्गिस्तान में एशियन चैंपियनशिप, जबकि वालीबॉल की अंडर-19 वर्ल्ड चैंपियनशिप, मलेशिया में अंशु रानी सरीखी प्रतिभाएं अपना जौहर दिखा चुकी हैं।

यादों का झरोखाः नामचीन लॉर्डस पवेलियन के पैटर्न पर निर्मित टीएमयू के क्रिकेट पवेलियन से 2015 में उत्तर प्रदेश बनाम मध्य प्रदेश के बीच खेले जा रहे रणजी मैच के विहंगम दृश्य को डीएसएलआर कैमरे में कैद करते हुए तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति श्री सुरेश जैन।

उत्कृष्ट पवेलियन एवम दमदार मैदान के चलते तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी में 2021 में आवासीय क्रिकेट एकेडमी की स्थापना की है, जिसमें 10 साल से लेकर किशोरों तक को क्रिकेट का हरफनमौला बनने की सघन ट्रेनिंग दी जाती है। एकेडमी में यूपी के संग-संग उत्तराखंड और छत्तीसगढ़ सरीखे सूबों के युवान प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी चैंपियनशिप में मजबूत भागीदारी के लिए यूनिवर्सिटी के स्टुडेंट्स को सघन प्रशिक्षण दिया जाता है। टीएमयू के इस क्रिकेट मैदान पर स्टुडेंट्स से लेकर आला अफसरान के बीच डे-नाइट मैच भी होते रहते हैं। क्रिकेट के संग-संग वालीबॉल एवम जूडो में यूनिवर्सिटी के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन रहा है। वालीबॉल में अंशु रानी की झोली में चार स्वर्ण पदक हैं। ये चारों गोल्ड मेडल एल्युमिना अंशु रानी ने बतौर कप्तान यूपी सीनियर स्टेट वालीबॉल चैंपियनशिप में जीते हैं। जूडो में सविता गुरंग ने इतिहास रचा है। एल्युमिना गुरंग ने ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी जूडो प्रतियोगिता में दो बार स्वर्ण पदक अपने नाम किया है। इन दोनों खिलाड़ियों ने ये छह गोल्ड मेडल्स लगातार पाए हैं। इन दोनों खिलाड़ियों के अलावा यूनिवर्सिटी के हजारों छात्रों ने अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में समय-समय पर यूनिवर्सिटी का मान बढ़ाया है। 2014 में 44वीं सीनियर नेशनल एवम् इंटरस्टेट कैरम चैंपियनशिप हो चुकी है। 2017 में 7वीं प्री यूपी शूटिंग चैंपियनशिप की मेजबानी भी टीएमयू कर चुका है। 2019 में यूपी सीनियर स्टेट बॉस्केट बाल चैंपियनशिप, के संग-संग टीएमयू कॉलिजिएट और स्कूल चैंपियनशिप भी अमूमन हर साल होती रहती हैं। तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी, मुरादाबाद के कुलाधिपति श्री सुरेश जैन कहते हैं, इन दोनों एल्युमिना पर हमें नाज है।

यूनिवर्सिटी के स्टुडेंट्स को टिमिट कॉलेज ऑफ फिजिकल एजुकेशन की ओर से बैडमिंटन, कबड्डी, कुश्ती, हॉकी, फुटबाल, एथलेटिक मीट, चेस, कैरम, ताइक्वांडो, बॉक्सिंग, बॉडी बिल्डिंग सरीखे खेलों में सघन प्रशिक्षण दिया जाता है। योग और जिमनास्टिक का प्रशिक्षण भी दिया जाता है। टिमिट कॉलेज ऑफ फिजिकल एजुकेशन- टिमिट सीपीई का इंडोर स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स नॉर्थ इंडिया के अत्याधुनिक इंडोर स्टेडियम में शुमार होता है, क्योंकि इसके विशाल हॉल में बैडमिंटन के आठ मैच एक समय में एक साथ खेले जा सकते हैं। टिमिट सीपीई के प्राचार्य प्रो. मनु मिश्रा कहते हैं, हमारे कॉलेज में बीपीईएस, बीपीएड, एमपीएड के संग-संग पीएचडी कराने की सुविधा है। मेधावी छात्रों को प्रवेश के समय विशेष खेल छात्रवृति देने का भी प्रावधान है। संप्रति में यूपी के अलावा उत्तराखंड, एमपी, राजस्थान, बिहार, झारखंड आदि के स्टुडेंट्स टिमिट कॉलेज ऑफ फिजिकल एजुकेशन में अध्ययनरत हैं। उल्लेखनीय है, खेल दिवस पर हर साल टिमिट कॉलेज ऑफ फिजिकल एजुकेशन की ओर से हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचन्द का भावपूर्ण स्मरण किया जाता है।

खबर संक्षेप

आठ कोर इंडस्ट्री की वृद्धि दर जुलाई में सुस्त पड़कर 6.1 प्रतिशत पर

नई दिल्ली। कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस के उत्पादन में गिरावट के कारण जुलाई में आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर घटकर 6.1 प्रतिशत रह गई है। हालांकि, यह मासिक आधार पर जून के 5.1 प्रतिशत से ज्यादा रही है। शुक्रवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। जुलाई, 2023 में आठ बुनियादी उद्योगों- कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पाद, उर्वरक, इस्पात, सीमेंट और बिजली क्षेत्र का उत्पादन 8.5 प्रतिशत की दर से बढ़ा था। चालू वित्त वर्ष के पहले चार माह (अप्रैल-जुलाई) में बुनियादी उद्योगों का उत्पादन 6.1 प्रतिशत बढ़ा है, जबकि इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह 6.6 प्रतिशत की दर से बढ़ा था। आठ बुनियादी उद्योगों का औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) में भारांश 40.27 प्रतिशत का है। आईआईपी समग्र औद्योगिक वृद्धि का मापक है। जुलाई में कच्चे तेल का उत्पादन 2.9 प्रतिशत और प्राकृतिक गैस का उत्पादन 1.3 प्रतिशत घटा।

कृषि और सेवा क्षेत्रों के खराब प्रदर्शन से पड़ा असर

पहली तिमाही में आर्थिक वृद्धि दर घटकर 6.7 प्रतिशत पर, 15 माह का निचला स्तर

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

भारत की आर्थिक वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष 2024-25 की पहली अप्रैल-जून तिमाही में घटकर 15 महीने के निचले स्तर 6.7 प्रतिशत पर आ गई। शुक्रवार को जारी सरकारी आंकड़ों के मुताबिक मुख्य रूप से कृषि और सेवा क्षेत्रों के खराब प्रदर्शन के चलते वृद्धि दर घटी है। एक साल पहले वित्त वर्ष 2023-24 की अप्रैल-जून तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 8.2 प्रतिशत रही थी।

भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख वैश्विक अर्थव्यवस्था बना हुआ है। गौरतलब है कि अप्रैल-जून तिमाही में चीन की जीडीपी वृद्धि दर 4.7 प्रतिशत रही है।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने शुक्रवार को जारी आंकड़ों में बताया कि समीक्षाधीन तिमाही के दौरान कृषि क्षेत्र की वृद्धि दर दो प्रतिशत रही। बीते वित्त वर्ष 2023-24 की अप्रैल-जून तिमाही में यह आंकड़ा 3.7 प्रतिशत था। दूसरी ओर विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि सालाना आधार पर पांच प्रतिशत से बढ़कर चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में सात प्रतिशत हो गई।

- एक साल पहले समान अवधि में जीडीपी 8 .2 फीसदी रही
- भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था
- अप्रैल–जून तिमाही में चीन की जीडीपी वृद्धि दर 4 .7 प्रतिशत रही

अनुमान के हिसाब से वृद्धि धीमी

इक्रा की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा, ''भारत की जीडीपी वृद्धि अनुमान के मुताबिक वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही के मुकाबले वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में धीमी हो गई (7.8 प्रतिशत से घटकर पांच तिमाही के निचले स्तर 6.7 प्रतिशत पर)। हालांकि, इन तिमाहियों के बीच जीवीए वृद्धि आश्चर्यजनक रूप से तेज हो गई (6.3 प्रतिशत से 6.8 प्रतिशत तक)।''

कृषि क्षेत्र की जीवीए वृद्धि घटकर दो फीसदी : नायर ने बताया कि इस विरोधाभास की वजह शुद्ध अप्रत्यक्ष करों की वृद्धि में सामान्यीकरण है और ऐसे में हमारा मानना है कि जीडीपी वृद्धि में कमी चिंता का कारण नहीं है।राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के आंकड़ों के मुताबिक, कृषि क्षेत्र में जीवीए (सकल मूल्य वर्धन) वृद्धि 3.7 प्रतिशत से घटकर दो प्रतिशत रह गई।

खनन क्षेत्र में रही वृद्धि

आंकड़ों के अनुसार, 'खनन और संबद्ध' क्षेत्र में उत्पादन (जीवीए) सालाना आधार पर सात प्रतिशत से बढ़कर 7.2 प्रतिशत हो गया। बिजली, गैस, जलापूर्ति और अन्य उपयोगिता सेवा खंड 3.2 प्रतिशत से बढ़कर 10.4 प्रतिशत पर पहुंच गया। निर्माण खंड में भी वृद्धि दर सालाना आधार पर 8.6 प्रतिशत से बढ़कर 10.5 प्रतिशत हो गई।

व्यापार, होटल और परिवहन सेवाओं की गति धीमी रही

व्यापार, होटल, परिवहन, संचार और प्रसारण से संबंधित सेवाओं की गति सालाना आधार पर 9.7 प्रतिशत से धीमी होकर 5.7 प्रतिशत रह गई। नायर ने कहा कि निर्माण जीवीए वृद्धि में तेजी, जो 8.5 प्रतिशत से बढ़कर 11.6 प्रतिशत हो गई, विशेष रूप से आश्चर्यजनक है। ऐसा इसलिए है क्योंकि निर्माण से संबंधित संकेतकों, जैसे सीमेंट और इस्पात उत्पादन में इन तिमाहियों के बीच वृद्धि धीमी हो गई थी।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

दिल के रोगों से राहत दिलाएं अर्जुन की छाल

अर्जुन का पेड़ जिसे टर्मिनलिया अर्जुन भी कहा जाता है, एक औषधीय पौधा है, जिसे कई बीमारियों के इलाज के लिए आयुर्वेद की तरह इस्तेमाल किया जाता हैं। अर्जुन की छाल में कार्डियोप्रोटेक्टीव और हृदय को मजबूत करने वाले कई गुण होते है। इस औषधि का इस्तेमाल लगभग दिल संबंधी कई रोगों के उपचार के रूप में किया जाता हैं। चलिए आज हम आपको टर्मिनलिया अर्जुन से होने वाले कुछ स्वास्थ्य फायदों के बारे में बताते है, जिनके बारे में शायद ही आप जानते हो।

1. फ्री रेडिकल्स से लड़ने में मददगार
अर्जुन में मौजूद फ्लैवोनोइड्स और एंटीऑक्सिडेंट तत्व फ्री रेडिकल्स के हानिकारक प्रभाव को कम करके बीमारियों से लड़ने की क्षमता प्रदान करते हैं। इससे बढ़ती उम्र की दिक्कतें, मधुमेह, कैंसर और हृदय रोग जैसी बीमारियां भी दूर होती हैं।

2. हृदय को रखें स्वस्थ
हृदय संबंधी रोगों के उपचार के लिए अर्जुन की छाल काफी कारगर साबित होती हैं क्योंकि इसमें हृदय को स्वस्थ और दिल को मजबूत करने वाले गुण होते है। यह हृदय की मांसपेशियों को मजबूत करने और हृदय द्वारा खून को पूरे शरीर में पहुंचाने की क्षमता में वृद्धि करता हैं। इसके अलावा इसके सेवन से हार्ट अटैक का खतरा भी दूर रहता हैं। रोज सुबह-शाम 3 ग्राम अर्जुन की छाल का पानी पीने से हृदय में सूजन और ब्लाकेज की समस्यां भी नहीं होती।

3. लिपिड डिसऑर्डर
लिपिड डिसऑर्डर यानी शरीर में उच्च कोलेस्ट्रॉल और ट्रायग्लिसराइड्स वसा की मात्रा या तो ज्यादा होना या कम होना हैं। अगर इनका स्तर शरीर में अधिक है तो हृदय रोग का खतरा बढ़ जाता है। यदि आप लिपिड डिसऑर्डर से जूझ रहे है तो अर्जुन का अर्क लेने से काफी फायदा मिलेगा।

4. हाई ब्लड प्रैशर
उच्च रक्तचाप जो दिल को नुकसान पहुंचा सकता हैं। हाई ब्लड प्रैशर के मरीज को अक्सर स्ट्रोक, हार्ट अटैक, किडनी डैमेज की प्रॉबल्म होने का खतरा बना रहता हैं। ऐसे में अर्जुन की औषधि में मौजूद प्रोटीन व अन्य गुण हाई बल्ड प्रैशर को कम करने में सहायक होते हैं।

5. एनर्जी बढ़ाए
जब आप व्यायाम करते हैं तो अर्जुन औषधि आपके एनर्जी लेवल को बढ़ा देता है। एक शोध के मुताबित, जिन लोगों ने 2 हफ्ते तक लगाकर अर्जुन का अर्क पीया तो उनके ऑक्सीजन को ग्रहण करने की क्षमता 4.9% बढ़ गई। एरोबिक और कार्डियोवैस्कुलर एक्सरसाइज करते समय शरीर को ऑक्सीजन की जरूरत अधिक होती है। ऐसे में अश्वगंधा के साथ अर्जुन की छाल लेने से शरीर की मांसपेशियां को एनर्जी मिलती हैं और व्यायाम करते समय शरीर को जितनी ऑक्सीजन की जरूर होती है, उतनी प्राप्त होती हैं।

6. डायबिटीज करें कंट्रोल
अगर आप अपने ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल रखने के लिए हर मुमकिन कोशिश कर चुके है तो इस बार अर्जुन की छाल इस्तेमाल करके देखें। शोध का कहना है कि अर्जुन किडनी में ग्लूकोज के लेवल को ठीक करके ब्लड शुगर को कम करता हैं। इसकी छाल में मौजूद टैनिन, फ्लैवोनोइड्स और सैपोनिन जैसे ग्लूकोज मेटाबॉलिज्म में शामिल एंजाइमों को मिलाने में मदद करते हैं।रोज रात को सोने से पहले इसकी छाल और देसी जामुन के बीजों का चूर्ण बनाकर खाने से शुगर कंट्रोल में रहती है।

बवासीर हो या कब्ज, हर मर्ज की दवा है अंजीर

भागदौड़ भरी जिंदगी में किसी के भी पास इतना समय नहीं है कि वह अपनी सेहत का ध्यान रख सके। अपनी हैल्थ की केयर ना करने से हाथों-पैरों और शरीर के दूसरे भागों में दर्द होने लगता है। इस दर्द को दूर करने के लिए आप अंजीर खा सकते हैं। एन्टीऑक्सिडेंट से भरपूर अंजीर में पानी 80%, कैल्शियम 0.06%, काबोर्हाइड्रेट 63%, फाइबर 2.3%, वसा 0.2%, प्रोटीन 3.5%, क्षार 0.7%, सोडियम, पोटेशियम, तांबा, सल्फर और क्लोरिन पर्याप्त मात्रा में होते हैं। जो हर तरह के दर्द को दूर करता है। इसके साथ ही अंजीर खाने से और भी कई लाभ होते हैं आज हम आपको उन्हीं फायदों के बारे में बताएंगे।

1. बवासीर के लिए फायदेमंद
बवासीर के रोगियों के लिए अंजीर का सेवन करना बहुत फायदेमंद होता है। रात को 3-4 से अंजीर को भिगोने के लिए रख दें। सुबह उठकर इसको पीसकर खाली पेट खाएं। कुछ दिनों तक लगातार ऐसा करने से बवासीर की प्रॉब्लम से राहत मिलेगी।

2. अस्थमा से छुटकारा
अस्थमा रोगियों को सूखे अंजीर खाने चाहिए। सूखे अंजीर खाने से कफ बाहर निकल आता है और अस्थमा से छुटकारा मिलता है। रोजाना 3 से 4 अंजीर को दूध के साथ खाने से कफ दूर होने के साथ ही एनर्जी भी मिलती है।

3. हड्डियां बनाएं मजबूत
अंजीर में कैल्शियम की भरपूर मात्रा होती है। जिन लोगों के हाथों-पैरों में दर्द होता है उनको रोजाना 3 से 4 अंजीर का सेवन करना चाहिए। लगातार अंजीर खाने से कुछ ही दिनों में फायदा दिखाई देने लगेगा।

4. खून की कमी दूर करे
अंजीर में आयरन भरपूर मात्रा पाया जाता है। जिन लोगों के शरीर में आयरन और खून की कमी हो उनको रोजाना कम से 3 अंजीर खानी चाहिए। इसको खाने से शरीर में कभी खून की कमी नहीं होती।

5. कब्ज
कब्ज को दूर करने के लिए अंजीर खाएं। आप चाहे तो अंजीर को शहद के साथ मिलाकर खा सकते हैं। इसके सेवन से आपको काफी आराम महसूस होगा।

6. डायबिटीज
अंजीर एक मीठा फल है। मगर इसको खाने से डायबिटीज नहीं बढ़ती है। रोजाना अंजीर को शहद के साथ मिलाकर खाएं। ऐसा करने से डायबिटीज काफी हद तक कंट्रोल में रहती है।

महीनेभर में डबल चिन से छुटकारा दिलाएंगे ये असरदार टिप्स

मोटापे की वजह से अक्सर चेहरे पर फेट जमा होने लगता है, जिस वजह से चेहरे व चिन की स्किन ढीली पड़ जाती है और नीचे लटकने लगती है। ठुड्डी के नीचे लटकी स्किन को डबल चिन की समस्या भी कहा जाता है। ठुड्डी के नीचे जमा फेट बड़ी भद्दी लगती है। डबल चिन की समस्या को हटाने के लिए लोग न जाने क्या कुछ नहीं करते। तरह-तरह के ट्रीटमेंट व एक्सरसाइज का सहारा लेते हैं। वहीं कुछ लोग सर्जरी के जरिए भी डबल चिन को छिपाने की कोशिश करते है लेकिन इसके कई साइड-इफैक्ट व खर्चा भी बहुत आता है। आप चाहें तो घर की कुछ चीजों का इस्तेमाल करके डबल चिन की समस्या से छुटकारा पा सकते हैं। चलिए आज हम आपको कुछ आसान व असरदार घरेलू टिप्स बताएंगे जो डबल चिन से राहत दिलाने में मदद करेंगे।

1. कोकोआ बटर - हफ्ते में दो बार कोकोआ बटर लगाने से भी डबल चिन की समस्या दूर होती है। इससे जल्द ही फेट घटती नजर आएगी।

2. अंडा व शहद -2 अंडे में 1 बड़ा चम्मच दूध, 1 बड़ा चम्मच शहद व 1 चम्मच नींबू के रस में पुदीने के तेल की कुछ बूंदे मिलाकर सिर से लेकर डबल चिन तक लगाएं।

3. खरबूजा व सेब - खरबूजे व सेब का रस निकालकर उसमें रूई भिगोए और इसे अपने डबल चिन पर लगाएं और 15 से 20 मिनट बाद साफ कर लें। इससे भी डबल चिन की समस्या दूर होगी।

4. ग्रीन टी - रोजाना ग्रीन टी पीने से भी डबल चीन की समस्या दूर होती है। इस-के अलावा इससे शरीर का मेटाबॉलिज्म व मोटापा भी कम होता है, जिससे शरीर कई कहीं हिस्सों पर जमा चर्बी भी धीरे-धीरे बर्न होने लगती है।

5. दूध - जब भी आपको मौका मिले तो दूध के साथ अपने डबल चिन व पूरे चेहरे की मसाज करें। इससे भी फेट बर्न होगी व चेहरे पर नैचुरल ग्लो आएगा।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

कंगना ने ऋतिक रोशन के तलाक पर दिया रिएक्शन!

बॉलीवुड क्वीन कंगना रनौत इन दिनों अपनी फिल्म इमरजेंसी को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। अक्सर कंगना विवादित बयान देती रहती है और इस बार भी जो उन्होंने कहा है उसे सुनकर वॉर 2 के एक्टर ऋतिक रोशन के फैंस को गुस्सा आ सकता है। एक समय था जब कंगना और ऋतिक एक रिश्ते में थे दोनों एक दूसरे से प्यार करते थे। फिर अचानक दोनों अलग हो गए। अब सालों बाद कंगना ने ऋतिक और सुजैन रोशन के तलाक पर इनडायरेक्ट तंज कसा है। कंगना रनौत ने इंटरव्यू के दौरान कई चीजों पर बात की। उन्होंने प्यार, मोहब्बत से लेकर तलाक पर भी बात की। उन्होंने बिना नाम लिए कहा, मैं काफी पुराने विचारों वाली हूं। मैं उस टाइप की नहीं हूं। मैं अपने एक्स के साथ कभी टच में नहीं रही। मैं कन्वेन्शनल हूं। मैं वो नहीं हूं कि हां जी, डिवोर्स करके, हेलो डार्लिंग, तुम यहां हो, आई मिस यू। तो फिर डिवोर्स क्यों लिया? जब आपको ऐसे ही रहना है तो आखिर अलग क्यों हुए? कंगना के इस इंटरव्यू की वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही है। यूजर्स इसपर अलग-अलग रिएक्शन दे रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, क्या कंगना ऋतिक और सूजैन के तलाक पर बोल रही हैं? दूसरे ने लिखा, कंगना ऋतिक का नाम लेकर अपनी फिल्म का प्रमोशन कर रही हैं। तीसरे ने लिखा, आखिर ऋतिक और कंगना का ब्रेकअप हुआ क्यों था?

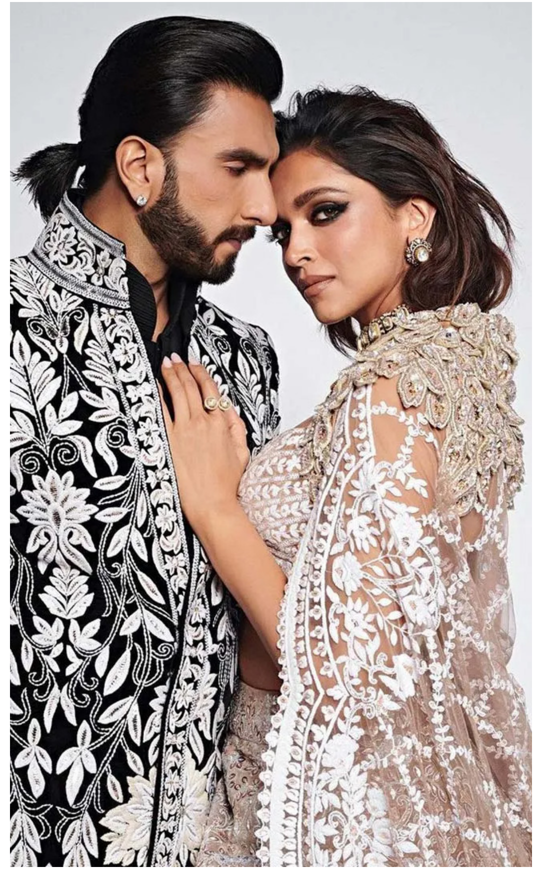

प्रेग्नेंट दीपिका और रणवीर सिंह ने लिया बड़ा फैसला

दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह के घर जल्द नन्हा मेहमान आने वाला है। ऐसे में कपल ने एक बड़ा फैसला लिया है। जिसे सुनकर उनके फैंस काफी खुश भी हो रहे हैं और हैरान भी हो रहे हैं। पूरे सोशल मीडिया पर दीपिका और रणवीर सिंह ही छाए हुए है। कपल के घर सितंबर में किलकारियां गूंजने वाली है। जब दीपिका- रणवीर ने प्रेग्नेंसी की खबर सुनाई थी तब दोनों ने बताया था कि सितंबर में बेबी आने वाला है। ऐसे में अगस्त के आखिरी हफ्ते में कपल ने अपने घर को लेकर बड़ा फैसला लिया है। दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह दोनों ने अपना नया घर बनवा लिया है। इस नए घर के तैयार होने के बाद कपल बेहद खुश है। खबर है कि ये घर नन्हे मेहमान की वजह से लिया गया है। इस घर की खास बात ये है कि दीपिका-रणवीर का नया घर शाहरुख खान के मन्नत के पास ही है। जिसके बाद वो शाहरुख खान की पड़ोसी बनने वाले हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, कपल का जो नया घर तैयार हुआ है वह बांद्रा बैंडस्टैंड में है। ये एक सी-फेसिंग अपार्टमेंट है। रणवीर-दीपिका का घर चार फ्लोर पर बना है। ये 16, 17,18 और 19 फ्लोर पर है। इस घर की कीमत करीब 100 करोड़ रुपए बताई जा रही है।

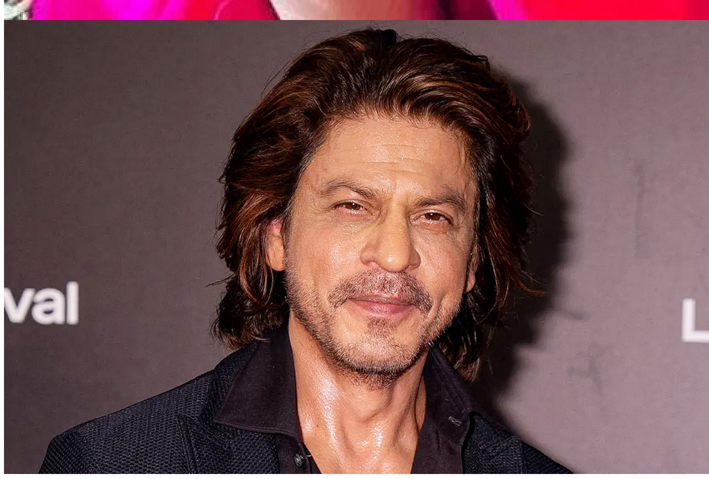

शाहरुख खान ने किया कमाल

शाहरुख खान ने कमाल कर दिया है, जिसकी वजह से एक बार फिर वह चर्चा में आ गए हैं। एक्टर पहली बार देश के अरबपतियों की लिस्ट में जगह बनाने में कामयाब हुए हैं। दरअसल, शाहरुख खान का नाम पहली बार हुरुन इंडिया की अमीरों की लिस्ट में शामिल हो गया है। अब शाहरुख की नेटवर्थ 7,300 करोड़ रुपए हो गई है। कोलकाता नाईट राइडर्स और रेड चिलीज एंटरटेनमेंट में अपनी हिस्सेदारी की वजह से किंग खान इस लिस्ट में अपनी जगह बना पाए हैं। हुरुन इंडिया की इस लिस्ट में शाहरुख खान के अलावा भी बॉलीवुड के कई दिग्गजों का नाम शामिल है। इनमें जूही चावला एंड फैमिली (4,600 करोड़ रुपए नेटवर्थ), ऋतिक रोशन (2,000 करोड़ रुपए नेटवर्थ), अमिताभ बच्चन एंड फैमिली (1,600 करोड़ रुपए नेटवर्थ) और करण जौहर (1,400 करोड़ रुपए नेटवर्थ) के नाम भी शामिल हैं। हुरुन इंडिया के फाउंडर अनस रहमान जुनैद ने बताया कि क्रिकेट और एंटरटेनमेंट जगत इंडिया की दिल की धड़कन है। उन्होंने कहा, आईपीएल टीम कोलकाता नाईट राइडर्स में अपनी होल्डिंग वैल्यू की वजह से पहली बार शाहरुख खान हुरुन इंडिया रिच लिस्ट में शामिल हुए है। वहीं एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री से हुरुन इंडिया रिच लिस्ट में पहली बार शामिल हुए 7 लोगों ने एक साल में 40,500 करोड़ रुपए की नेटवर्थ जोड़ी है।